968/958

दैनिक जागरण
29/6/2015

राष्ट्रीय जागरण

नई दिल्ली, 29 जून 2015

पूर्वी भारत से शुरू होगी दूसरी हरित क्रांति

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की रखी आधारशिला, स्टील प्लांट के लिए भी एमओयू

प्रदीप सिंह, हजारीबाग

रविवार को झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही के गोरियाकरमा में बननेवाले भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के शिलान्यास करने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में दूसरी हरित क्रांति समय की मांग है, इसकी शुरुआत पूर्वी भारत के राज्यों से ही होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम समेत पूर्वी भारत के राज्य इसके वाहक बनेंगे। केंद्र सरकार का पूरा ध्यान पूर्वी भारत के विकास पर केंद्रित है। किसानों को बेहतर अनुसंधान के साथ खाद-बीज भी चाहिए। इसके लिए सिंदरी में बंद पड़े कारखाने को खोलने का फैसला लिया गया है। प्रधानमंत्री ने लगभग 34 मिनट का पूरा भाषण खेती पर ही केंद्रित किया। एक मायने में वे कृषक मित्र की भूमिका में नजर आए। न तो उन्होंने राजनीति की चर्चा छेड़ी न विपक्ष को निशाने पर लिया। हां प्रधानमंत्री ने इतना अवश्य कहा कि पिछली सरकार में किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। मोदी ने कहा कि खेत और शरीर एक जैसा है। जैसे शरीर की कमियों की जांच के लिए लेबोरेट्री का सहारा लिया जाता है वैसे ही खेतों की जांच के लिए भी लेबोरेट्री बनाई गई हैं। हर खेत का स्वायल हेल्थ कार्ड सरकार बनाएगी। युवाओं को आह्वान किया कि वे मिट्टी की जांच की तकनीक सीखें। किसान सोचते हैं कि खेत में लबालब पानी होगा तभी खेती होगी। यह धारणा गलत है। दूध से नहाने से बच्चे की सेहत नहीं सुधरेगी। अगर मां एक-एक चम्मच दूध देगी तो सेहत अच्छी होगी। शरीर की तरह खेत की अलग-अलग प्रकृति है। केरल का फार्मूला झारखंड में लागू नहीं कर सकते। पानी की एक-एक बूंद का उपयोग करने की नसीहत देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा- वन ड्राप, मोर क्राप (एक बूंद से ज्यादा पैदावार)। हर साल बिहार में चार सौ करोड़ रुपये मूल्य की मछली बाहर के राज्यों से आती है। अगर मछली पालन यहां शुरू कर दिया जाए तो यह पैसा दूसरे प्रांत को नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में पीएम कृषि सिंचाई योजना की शुरुआत की गई है। जलाशयों का पानी नहर के जरिए अगर खेतों तक नहीं पहुंचा तो उसका कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने बताया कि अन्य देशों में पशु कम हैं और दूध का उत्पादन ज्यादा। हमारे देश में ठीक उल्टी स्थिति है। इस स्थिति को बदलना होगा। चिंता इस बात की हो कि उपलब्ध जमीन के मुताबिक पैदावार में बढ़ोतरी हो। कम पैदावार से न तो देश का पेट भरेगा न किसानों की जेब। चिंता इस बात की हो कि लोगों का पेट भी भरे और किसानों की जेब भी भरे।

हजारीबाग में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के शिलान्यास समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य। प्रेट्र

◆ कृषक मित्र की भूमिका में नजर आए प्रधानमंत्री

"खेत और शरीर एक जैसा है। जैसे शरीर की कमियों की जांच के लिए लेबोरेट्री का सहारा लिया जाता है वैसे ही खेतों की जांच के लिए भी लेबोरेट्री बनाई गई हैं।"

\- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

सुनीता गुप्ता 29/6/15
प्रभारी, पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

Cy to :-

1- निजी सचिव, निदेशक कार्यालय
2- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक अनुसंधान
4- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
5- प्रभारी, पी० वी० आई०
6- प्रभारी, यू० एस० आई०
7- प्रभारी कैटेट